DR. C.V.RAMAN UNIVERSITY

KARGI ROAD, KOTA, BILASPUR, CHATTISGARH

PHONE : **07753-253851, WEBSITE: www.cvru.ac.in**

MASTER OF ARTS (MA) HINDI

Duration: 24 Months (2 Years) Eligibility: Graduate in any discipline

SCHEME OF EXAMINATION

Course Code	Name of the Course	Credit	Total Marks	Theory / Report		Assignments /Seminars & Presentations/Viva Voce/ Practical	
				Max	Min	Max	Min
First Semester							
1MAHIN1	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास –I	4	100	70	25	30	11
1MAHIN2	आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास–I	4	100	70	25	30	11
1MAHIN3	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र–I	4	100	70	25	30	11
1MAHIN4	प्रयोजनमूलक हिन्दी	4	100	70	25	30	11
1MAHIN5	हिन्दी साहित्य का इतिहास–I	4	100	70	25	30	11
Total aggregate required to pass		**20**	**500**	**350**	**140**	**150**	**60**
Second Semester							
2MAHIN1	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास –II	4	100	70	25	30	11
2MAHIN2	आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास–II	4	100	70	25	30	11
2MAHIN3	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र–II	4	100	70	25	30	11
2MAHIN4	अनुवाद विज्ञान	4	100	70	25	30	11
2MAHIN5	हिन्दी साहित्य का इतिहास–II	4	100	70	25	30	11
Total aggregate required to pass		**20**	**500**	**350**	**140**	**150**	**60**

Third Semester							
3MAHIN1	आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास	4	100	70	25	30	11
3MAHIN2	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा	4	100	70	25	30	11
3MAHIN3	लोक साहित्य	4	100	70	25	30	11
3MAHIN4	पत्रकारिता प्रशिक्षण	4	100	70	25	30	11
3MAHIN5	विशेष अध्ययन – कवि तुलसीदास / सूरदास / निराला	4	100	70	25	30	11
Total aggregate required to pass		**20**	**550**	**350**	**140**	**150**	**60**
Fourth Semester A							
4MAHIN1	शोध प्रविधि	4	100	70	25	30	11
4MAHIN2	दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन	4	100	70	25	30	11
4MAHIN3	हिन्दी भाषा	4	100	70	25	30	11
4MAHIN4	समकालीन विमर्श (स्त्री एवं दलित विमर्श)	4	100	70	25	30	11
4MAHIN5	विशेष अध्ययन –रामचंद्र शुक्ल / कथाकार प्रेमचंद्र / जयशंकर प्रसाद	4	100	70	25	30	11
Total aggregate required to pass		**20**	**500**	**350**	**140**	**150**	**60**
Fourth Semester B							
5MAHIN1	शोध प्रविधि	4	100	70	25	30	11
5MAHIN2	दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन	4	100	70	25	30	11
5MAHIN3	विशेष अध्ययन –रामचंद्र शुक्ल / कथाकार प्रेमचंद्र / जयशंकर प्रसाद	4	100	70	25	30	11
5MAHIN4	लघु शोध (Dissertation)	8	200	100	36	100	36
Total aggregate required to pass		**20**	**500**	**310**	**124**	**190**	**76**

Evaluation Scheme

a. प्रत्येक सिद्धांत, व्यावहारिक, परियोजना, शोध प्रबंध और आंतरिक मूल्यांकन में 36:
b. उत्तीर्ण होने के लिए कुल 40: अंक
c. यदि शिक्षार्थी एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम के चतुर्थ सेमेस्टर में (ग्रुप ठ) का चयन करता है तो उन्हें तीन मुख्य विषय के परीक्षा के साथ चतुर्थ विषय लघुशोध प्रबंध कार्य निर्धारित समायावधि में पूर्ण करना होगा। लघुशोध प्रबंध कार्य 140 अंक और उसमें मौखिक परीक्षा 60 अंक के होंगे साथ ही अन्य विषयों के सत्रीय कार्य भी निर्धारित समयावधि में पूर्ण करना होगा।

Dr. C.V. RAMAN UNIVERSITY

Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

SEMESTER- **First Semester**

PROGRAMME:-MASTER OF ARTS (MA) HINDI **THEO. MAX. M: 70 MIN. M: 25**
COURSE CODE: 1MAHIN1, CREDIT:-4 **ASSIG. MAX.M: 30 MIN. M: 11**

COURSE:- प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास-I

पाठ्य विषय :–

इकाई – 1

व्याख्यांश –

विधापति – 20 पद (विधापति, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

पद कमांक – 1,4,5,7,8,11,12,14,15,16,20,22,23,26,27,28,31,35,36,39,

2. कबीर – कबीर ग्रंथावली – डॉ0 श्यामसुंदर दास
   गुरूदेव को अंग (साखी कमांक 1 से 10), सुमिरण को अंग (साखी कमांक 1 से 10), विरह कों अंग (साखी कमांक 1 से 10), ज्ञान– विरह को अंग (साखी कमांक 1 से 10), परचा को अंग (साखी कमांक 1 से 10),
3. जायसी – पदमावत, संपादक – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
   पद कमांक :– 1,11,16,21,24,50,60,65,69,70, (दस पद)
   (मानसरोदक खण्ड एवं नागमती वियोग खण्ड)

इकाई – 2

विधापति, कबीर, और जायासी से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई – 3

प्राचीनकाल एवं मध्यकालीन काव्य (निर्गुणधारा) का इतिहास प्रमुख प्रवृत्तियॉ एवं रचनाकारों से संबंधित प्रश्न।

इकाई – 4 द्रुतपाठ के कवि – चन्दबरदाई, अमीर खुसरो, रैदास, नामदेव से संबंधित लघुउत्तरीय प्रश्न ।

इकाई – 5 वस्तुनिष्ठ प्रश्न (संपूर्ण पाठ्यकम से)

REFERENCE BOOK

Subject Name	Book Name	Writer	publication
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास	कबीर	हजारी प्रसाद द्विवेदी	राजकमल प्रकाशन

Dr. C.V. RAMAN UNIVERSITY

Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

SEMESTER- **First Semester**

PROGRAMME:-MASTER OF ARTS (MA) HINDI **THEO. MAX. M: 70 MIN. M: 25**
COURSE CODE: 1MAHIN2,CREDIT:-4 **ASSIG. MAX.M: 30 MIN. M: 11**

COURSE:- आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास-I

इकाई–1

व्याख्यांश

1– स्कन्दगुप्त – जयशंकर प्रसाद

2– आधे–अधूरे – मोहन राकेश

3– गोदान – प्रेमचन्द

इकाई–2

स्कंद गुप्त, आधे–अधूरे एवं गोदान से समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई–3

हिन्दी नाटक, रंगमंच एवं उपन्यास के इतिहास की विविध प्रवृत्तियॉं और रचनाकारों पर निबंधात्मक प्रश्न।

इकाई–4

लघुत्तरीय प्रश्न– द्रुतपाठ में निर्धारित गद्यकारों से सम्बद्ध दो लघुत्तरीय प्रश्न होंगे।

1 – नाटककार – भारतेन्दु हरीशचन्द्र, डॉ0 रामकुमार वर्मा, जगदीशचन्द्र माथुर, धर्मवीर भारती, लक्ष्मीनारायण लाल।

2– उपन्यासकार– जैनेन्द्र, अमृतलाल नागर, निर्मल वर्मा, भीष्म शाहनी, मन्नू भण्डारी

इकाई–5

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–(संपूर्ण पाठ्यक्रम से सम्बद्ध)

REFERENCE BOOK

Subject Name	Book Name	Writer	Publication
आधुनिक हिन्दी गघ और उसका इतिहास	हिंदी नाटक	बच्चन सिंह	राजकमल प्रकाशन

Dr. C.V. RAMAN UNIVERSITY

Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

SEMESTER- **First Semester**

PROGRAMME:-MASTER OF ARTS (MA) HINDI **THEO. MAX. M: 70 MIN. M: 25**
COURSE CODE: 1MAHIN3,CREDIT:-4 **ASSIG. MAX.M: 30 MIN. M: 11**
COURSE:-भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र -I

इकाई – 1

संस्कृत काव्य शास्त्र : काव्य– लक्ष्मण, काव्य– हेतु, काव्य – प्रयोजन काव्य के प्रकार। रस–सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस – निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा । अलंकार सिद्धांत : मूल स्थापनाएं, अलंकारों का वर्गीकरण।

इकाई – 2

रीति– सिद्धांत : रीति की अवधारणा, काव्य–गुण, रीति एवं शैली रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।

वक्रोक्ति सिद्धांत : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद ।

इकाई – 3

ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि – सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत–व्यंग्य, चित्रकाव्य। औचित्य सिद्धांत : प्रमुख स्थापनाएं, औचित्य के भेद।

इकाई – 4

हिन्दी कवि – आचार्यों का काव्य शास्त्रीय चिंतन : लक्षण–काव्य परंपरा एवं कवि – शिक्षा

इकाई – 5

हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ : शास्त्रीय व्यक्तिवादी / सौष्ठव वादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, मनोविश्लेषणवादी, सौंदर्यशास्त्रीय शैलीवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय

1.निबंधात्मक प्रश्न

2.लघुउत्तरीय प्रश्न

3.वंस्तुनिष्ठ प्रश्न

REFERENCE BOOK

Subject Name	Book Name	Writer	publication
भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिध्दांत	गणपति चंद्र गुप्त	राजकमल प्रकाशन

Dr. C.V. RAMAN UNIVERSITY
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

SEMESTER- First Semester

PROGRAMME:-MASTER OF ARTS (MA) HINDI **THEO. MAX. M: 70 MIN. M: 25**
COURSE CODE: 1MAHIN4,CREDIT:-4 **ASSIG. MAX.M: 30 MIN. M: 11**
COURSE:- प्रयोजनमूलक हिन्दी

इकाई – 1 कामकाजी
हिन्दी –
हिन्दी के विभिन्न रूप– सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, माध्मय भाषा, मातृभाषा। कार्यालयीन हिन्दी, राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य :– प्रारूपण, पत्र–लेखन संक्षेपण, पल्लव, टिप्पणी।

इकाई – 2

पारिभाषिक शब्दावली – स्वरूप एवं माहत्व, पारिभाषिक शब्दावली के उदाहर्णाथ एवं उनका व्यावहारिक प्रयोग।

इकाई – 3

हिन्दी कम्प्यूटिंग–

कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा बेब पब्लिशिंग का परिचय।

इंटरनेट, संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रथामिक, रख–रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र। बेब पब्लिकेशन ।

इंटर एक्सरलोइट अथवा नेट स्केप।

लिंग, ब्राउजिंग पोर्टल, ई0मेल भेजना/ प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोईट, डाउलोडिंग एवं अपलोडिंग की साफ्टवेयर , पैकेज।

इकाई – 4

पत्रकारिता :– स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार। हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास। समाचार–लेखन, कला।

संपादन के आधारभूत तत्व। व्यावहारिक प्रूफ शोधन।

इकाई – 5
पत्रकारिता : शीर्षक की संरचना, लीड, इण्ट्रो एवं शीर्षक संपादन। संपादकीय लेखन पृष्ठसज्जा

साक्षात्कार, पत्रकार वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार– संहिता। 1.निबंधात्मक प्रश्न 2.लघुउत्तरीय प्रश्न

3.वंस्तुनिष्ठ प्रश्न

REFERENCE BOOK

Subject Name	Book Name	Writer	publication
प्रायोजन मूलक हिन्दी	प्रायोजन मूलक हिंदी	डॉ. रामनारायण पटेल	रामप्रसाद एण्ड संस

Dr. C.V. RAMAN UNIVERSITY

Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

SEMESTER- **First Semester**

PROGRAMME:-MASTER OF ARTS(MA) HINDI **THEO. MAX. M: 70 MIN. M: 25**
COURSE CODE: 1MAHIN5, CREDIT:-4 **ASSIG. MAX.M: 30 MIN. M: 11**
COURSE:- हिन्दी साहित्य का इतिहास-I

इकाई–1

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ ।

इकाई–2

हिन्दी साहित्य के आदिकाल की पृष्ठ भूमि,, साहित्यक प्रवृत्तियाँ, काव्यधाराएँ, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और इनकी रचनाएँ।

इकाई–3

पूर्वमध्यकाल भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना एवं भक्तिआन्दोलन, विभिन्न काव्य धाराएं तथा उनका विश्लेषण, प्रमुख निर्गुण सन्त कवि और प्रमुख सूफी कवियो का अवदान।

इकाई–4

राम और कृष्णकाव्य : प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्टय ।

इकाई–5

उत्तर मध्यकाल रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल सीमा और नामकरण, विविध धाराए रीति बद्ध रीति सिद्ध, रीतिमुक्त प्रवृतियाँ और विशेषताए।

REFERENCE BOOK

Subject Name	Book Name	Writer	publication
हिन्दी साहित्य का इतिहास	हिन्दी साहित्य का इतिहास	रामचंद्र शुक्ल	राजकमल प्रकाशन

Dr. C.V. RAMAN UNIVERSITY

Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

SEMESTER- **Second Semester**

PROGRAMME:-MASTER OF ARTS (MA) HINDI **THEO. MAX. M: 70 MIN. M: 25**
COURSE CODE: 2MAHIN1,CREDIT:-4 **ASSIG. MAX.M: 30 MIN. M: 11**
COURSE:- प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास -II

इकाई – 1 व्याख्यांश

सूरदास :– भ्रमरगीत सार – संपादक रामचंद्र शुक्ल, पद कमांक 51 से 100। तुलसीदास – रामचरितमानस – अयोध्या काण्ड, दोहा, कमांक 51 से 100। बिहारी – बिहारी रत्नाकर – संपादक जगन्नाथ रत्नाकर, दोहा कमांक 1 से 50।

इकाई – 2

सूरदास, तुलसीदास एवं बिहारी से संबंधित निबंधात्मक प्रश्न।

इकाई – 3

भक्तिकाल (सगुण भक्तिधारा) एवं रीतिकाल का इतिहास, प्रवृत्तियॉ और प्रमुख रचनाकारों से संबंधित निबंधात्मक प्रश्न

इकाई – 4

दुतपाठ के कवि – नन्ददास, मीराबाई, घनानंद और केशव से संबंधित लघुत्तरीय प्रश्न ।

इकाई – 5

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (संपूर्ण पाठ्यकम से)

REFERENCE BOOK

Subject Name	Book Name	Writer	publication
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास	महाकवि सूरदास	नन्ददुलारे बाजपेयी	राजकमल प्रकाशन

Dr. C.V. RAMAN UNIVERSITY

Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

SEMESTER- **Second Semester**

PROGRAMME:-MASTER OF ARTS (MA) HINDI **THEO. MAX. M: 70 MIN. M: 25**
COURSE CODE: 2MAHIN2, CREDIT:-4 **ASSIG. MAX.M: 30 MIN. M: 11**
COURSE:-आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास-II

इकाई–1
व्याख्यांश
1 – बाणभट्ट की आत्मकथा–हजारीप्रसाद द्विवेदी
2 – निबंध–
1. देश सेवा का महत्व–बालकृष्ण भट्ट
म्युनिसीपलेटी के कारनामे–महावीर प्रसाद द्विवेदी
काब्य में लोकमंगल की साधानावस्था–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
अशोक के फूल–हजारीप्रसाद द्विवेदी
मेरे राम का मुकुट भीग रहा है–विद्यानिवास मिश्र
प्रिया नीलकंठी–कुबेरनाथ राय
पगडण्डियों का जमाना– हरिशंकर परसाई
3 – निर्धारित कहानियाँ –
उसने कहा था (चन्द्रधर शर्मा गुलेरी)
पूस की रात (प्रेमचंद)
गुण्डा (जयशंकरप्रसाद)
अपना अपना भाग्य (जैनेंद्र कुमार)
लंदन की एक रात (निर्मल वर्मा)
राजा निरबंसिया (कमलेश्वर)
सिक्का बदल गया (कृष्णा सोबती)
4 – पथ के साथी – महादेवी वर्मा

इकाई – 2
बाणभट्ट की आत्मकथा, निर्धारित निबंध, कहानी एवं पथ के साथी से समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई – 3

हिन्दी, कहानी, निबन्ध एवं अन्य गद्य विधाओं (रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, जीवनी, यात्रावृत्तांत, व्यंग्य आदि) के इतिहास प्रवृत्तियाँ और प्रमुख रचनाकारों से सम्बद्ध निबन्धात्मक प्रश्न ।

इकाई – 4

लघुउत्तरीय प्रश्न

द्रुतपाठ हेतु निर्धारित निम्नलिखित गद्यकारों पर केंद्रित दो लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाऐंगे।

निबन्धकार – भारतेंदु हरिश्चंद्र, प्रताप नारायण मिश्र, बालमुकुन्द गुप्त, सरदार पूर्ण सिंह।

कहानीकार – अज्ञेय, यशपाल, फणीश्वरनाथ रेणु, भीष्म साहनी, अमरकांत

स्फुट ग्रंथ – 1. अमृतराय (कलम का सिपाही) 2. शिवप्रसादसिंह उत्तर योगी 3. हरिवंशराय बच्चन, (क्या भूलूं क्या याद करूं), 4. राहुल सांकृत्यायन (घुमक्कड़ श्शास्त्र), 5. माखनलाल चतुर्वेदी, साहित्य देवता)

इकाई – 5

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से) :

REFERENCE BOOK

Subject Name	Book Name	Writer	publication
आधुनिक हिन्दी गघ और उसका इतिहास	बदलता सामाजिक मूल्य और हिन्दी नाटक	सरोज कुमार मिश्र	ओम प्रकाशन

Dr. C.V. RAMAN UNIVERSITY

Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

SEMESTER- **Second Semester**

PROGRAMME:-MASTER OF ARTS (MA) HINDI **THEO. MAX. M: 70 MIN. M: 25**
COURSE CODE: 2MAHIN3,CREDIT:-4 **ASSIG. MAX.M: 30 MIN. M: 11**
COURSE:-भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र-II

इकाई – 1

प्लेटो : काव्य – सिद्धांत

अरस्तू : अनुकरण – सिद्धांत, त्रासदी– विवेचन, विरेचन सिद्धांत लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा

इकाई–2

ड्राइडन के काव्य सिद्धांत

वड्र्सवर्थ : काव्य – भाषा का सिद्धांत

कालरिज : कल्पना – सिद्धांत और ललित – कल्पना

इकाई – 3

मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य

टी.एस. इलियट : परंपरा की परिकल्पना और वैयाक्तिक प्रज्ञा, निवैर्यक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य। आई.ए. रिच्र्डस : रागात्मक अर्थ । संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना।

इकाई – 4

सिद्धांत और वाद : अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषण तथा अस्तित्ववाद।

इकाई – 5

आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ : संरचनावाद, शैलीविज्ञान, विखंडनवाद, उत्तर अधुनिकतावाद।

REFERENCE BOOK

Subject Name	Book Name	Writer	publication
भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिध्दांत	गणपति चंद्र गुप्त	राजकमल प्रकाशन

Dr. C.V. RAMAN UNIVERSITY

Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

SEMESTER- **Second Semester**

PROGRAMME:-MASTER OF ARTS(MA) HINDI **THEO. MAX. M: 70 MIN. M: 25**
COURSE CODE: 2MAHIN4,CREDIT:-4 **ASSIG. MAX.M: 30 MIN. M: 11**
COURSE:- अनुवाद विज्ञान

इकाई–1

अनुवाद की परिभाषा, स्वरूप, क्षेत्र
और सीमाएँ।

इकाई–2

अनुवाद कला, विज्ञान या शिल्प। अनुवाद की इकाईः शब्द, पदबन्ध, वाक्य, पाठ तथा अनुवाद के उपकरण– कोश,पारिभाषिक शब्दावली,कम्प्यूटर।

इकाई–3

अनुवाद की प्रकिया और प्रविधिः विश्लेषण, अन्तरण, पुनर्गठन। अनुवाद प्रकिया के विभिन्न चरण, स्रोत भाषा के पाठ का विश्लेषण एवं उसके अर्थग्रहण की प्रकिया, स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना तथा अर्थान्तरण की प्रकिया, अनूदित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ संप्रेषण की प्रकिया, अनुवाद प्रकिया की प्रकृति।

इकाई–4

अनुवाद तथा समतुल्यता का सिद्धांत। अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार– कार्यालयीन, वैज्ञानिक एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचार माध्यम, विज्ञापन आदि।

इकाई–5

अनुवाद की समस्याएँ : सृजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ, वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ। विज्ञापन के अनुवाद की समस्याएँ।

REFERENCE BOOK

Subject Name	Book Name	Writer	publication
अनुवाद विज्ञान	अनुवाद विज्ञान की भूमिका	कृष्ण कुमार गोस्वामी	राजकमल प्रकाशन

Dr. C.V. RAMAN UNIVERSITY

Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

SEMESTER-**Second Semester**

PROGRAMME:-MASTER OF ARTS(MA) HINDI **THEO. MAX. M: 70 MIN. M: 25**
COURSE CODE: 2MAHIN5,CREDIT:-4 **ASSIG. MAX.M: 30 MIN. M: 11**
COURSE:- हिन्दी साहित्य का इतिहास-II

हिन्दी साहित्य का इतिहास-II

इकाई 1

आधुनिक काल

1. आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 ई. का प्रथम स्वाधीनता संग्राम और पुनर्जागरण। भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएं।

इकाई 2

द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएं। हिन्दी स्वच्छन्दतावादी चेतना का अग्रिम विकास, छायावादी काव्य, प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएँ।

इकाई 3

उत्तरछायावाद की विविध प्रवृतियाँ : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता। प्रमुख साहित्कार, रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएं।

इकाई 4

हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाएँ – कहानी,उपन्यास, नाटक निबन्ध आदि ।

इकाई 5

Subject Name	Book Name	Writer	publication
हिन्दी साहित्य का इतिहास	हिन्दी साहित्य का इतिहास	रामचंद्र शुक्ल	राजकमल प्रकाशन

Dr. C.V. RAMAN UNIVERSITY

Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

SEMESTER- **Third Semester**

PROGRAMME:-MASTER OF ARTS (MA) HINDI **THEO. MAX. M: 70 MIN. M: 25**
COURSE CODE: 3MAHIN1,CREDIT:-4 **ASSIG. MAX.M: 30 MIN. M: 11**
COURSE:- आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास

इकाई–1

व्याख्यांश–

1– मैथिलीशरण गुप्त – साकेत का नवम् सर्ग

2– जयशंकर प्रसाद –कामायनी चिंता ,श्राद्व,इडा सर्ग

इकाई–2

मैथिलीशरण गुप्त से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई–3

जयशंकर प्रसाद से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई–4

आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद तक) की प्रमुख प्रवृत्तियां

इकाई–5

द्रुत पाठ के निधारित कवि जगन्नाथ दास रत्नाकार , अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध , महादेवी वर्मा ,और बाल कृष्ण शर्मा नवीन

REFERENCE BOOK

Subject Name	Book Name	Writer	publication
आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास	छायावाद	नामवर सिंह	राजकमल प्रकाशन

Dr. C.V. RAMAN UNIVERSITY

Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

SEMESTER- **Third Semester**

PROGRAMME:-MASTER OF ARTS(MA) HINDI **THEO. MAX. M: 70 MIN. M: 25**
COURSE CODE: 3MAHIN2 ,CREDIT:-4 **ASSIG. MAX.M: 30 MIN. M: 11**
COURSE:- भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

इकाई–1

भाषा और भाषा विज्ञान– भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक प्रकार्य, भाषा विज्ञाान स्वरूप एवं व्याप्ति,अध्ययन की दिशाएं– वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

इकाई–2

स्वन प्रकिया– स्वरूप और शाखाएं, वागयंत्र और उनके कार्य स्वनिम की अवधारणा– स्वनों का वर्गीकरण, स्वन गुण स्वनिक–परिवर्तन।

इकाई–3

व्याकरण– रूप विज्ञान का स्वरूप, रूपिम की अवधारणा।
वाक्य की अवधारणा– वाक्य के भेद– वाक्य–विश्लेषण– निकटस्थ अव्यव विश्लेषण गहन संरचना और बाहय संरचना

इकाई–4

अर्थ विज्ञान–अर्थ की अवधारणा। शब्द और अर्थ का सम्बंन्ध। अर्थ प्राप्ति के साधन और अर्थ परिवर्तन

इकाई–5

साहित्य और भाषा विज्ञान– साहित्य में अध्ययन में भाषा विज्ञान के अंगो की उपयोगिता।

REFERENCE BOOK

Subject Name	Book Name	Writer	publication
भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा	भाषा विज्ञान हिंदी भाषा एवं लिपि	उदय नारायण तिवारी	राजकमल प्रकाशन

Dr. C.V. RAMAN UNIVERSITY

Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

SEMESTER- **Third Semester**

PROGRAMME:-MASTER OF ARTS(MA) HINDI **THEO. MAX. M: 70 MIN. M: 25**
COURSE CODE: 3MAHIN3, CREDIT:-4 ASSIG. MAX.M: 30 MIN. M: 11
COURSE:- लोक साहित्य

इकाई –1

लोक साहित्य का आशय, लोक साहित्य के संकलन की समस्याएँ।

लोक–साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण लोकगीत, लोकनाट्य लोककथा,लोकगाथा, लोक नृत्य–नाट्य लोक संगीत। लोक गीत : संस्कार–गीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत जाति गीत।

इकाई –2

लोक–नाट्य रामलीला, रासलीला, कीर्तनियॉ, स्वांग,यक्षगान, भवाई संपेड़ा, विदेसिया, माच, भौंड़ तमाशा, नौटंकी, जात्रा, कथकली। हिन्दी लोक– नाट्य की परम्परा एवं प्रविधि। हिन्दी नाटक और रंगमंच पर लोक नाट्यों का प्रभाव।

इकाई –3

लोक – कथा : व्रत–कथा, परी– कथा, नाग– कथा, बोध–कथा, कथानक–रूढ़ियॉ अथवा अभिप्राय। लोक–गाथा :ढ़ोला–मारू, गोपीचन्द्र– भरथरी, लोरिक, नल– दमयंती, लैला– मंजनूँ, हीर–रॉझा, सोहनी–महीवाल, लोरिक – चंदा, बगडावत आल्हा–हरदौल।

इकाई –4

लोक–संगीत : लोकवाद्य तथा विशिष्ठ लोक धुनें।लोक – नृत्य नाट्य।

लोक–भाषा : लोक सुभषित मुहावरे, कहावतें, पहेलियॉ।

इकाई –5

निम्नलिखित जनपदीय भाषाओं के लोक– साहित्य में से किसी एक का

अध्ययन : खड़ीबोली, छत्तीसगढ़ी , बघेली, मालवीय, बुन्देली

Dr. C.V. RAMAN UNIVERSITY

Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

SEMESTER- **Third Semester**

PROGRAMME:-MASTER OF ARTS (MA) HINDI **THEO. MAX. M: 70 MIN. M: 25**

COURSE CODE: 3MAHIN4, CREDIT:-4 ASSIG. MAX.M: 30 MIN. M: 11

COURSE:- पत्रकारिता प्रशिक्षण

इकाई –1 पत्रकारिता का अर्थ, स्वरूप एवं प्रमुख प्रकार।
विश्व–पत्रकारिता का उदय एवं भारत में पत्रकारिता का आरम्भ।
हिन्दी पत्रकारिता का उद्‌भव एवं विकास।

इकाई –2 समाचार पत्रकारिता के मूलतत्व।
समाचार पत्रों के विभिन्न स्तम्भों की योजना।
समाचार के विभिन्न स्त्रोंत।
संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्य पद्वति।

इकाई –3 सम्पादन कला के सामान्य सिद्धान्त।
दृश्य सामग्री–फोटो पत्रकारिता।
पत्रकारिता संबंधी लेखन।
इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता।
प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रणकला।

इकाई –4 पत्रकारिता का प्रबन्धनः प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था।
लोक सम्पर्क तथा विज्ञापन।
प्रेस संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता।

इकाई –5 भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार,सूचना का अधिकार तथा मानवाधिकार।
मुक्त प्रेस की अवधारणा।
प्रसार भारती और सूचना प्रौद्योगिकी।
प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. हिन्दी पत्रकारिता –डॉ. कृष्णबिहारी मिश्र वाणी प्रकाशन।
2. भाषीय पत्रकारिता और जनसंचार –डॉ. विष्णु पंकज विवेक पब्लिकेशन रायपुर।
3. हिन्दी पत्रकारिता में आठवां दशक – माारियो का आफ्रेकेदी प्रासंगिक प्रकाशन दिल्ली।
4. पत्रकारिता के मूल सिद्वांत –श्रीपाल शर्मा विभूति प्रकाशन नई दिल्ली।
5. साहित्यिक पत्रकारिता –रमा सिंह राजस्थानी ग्रंथागार जोधपुर।
6. समाचारपत्र मुद्रण एवं साज–सज्जा –श्यामसुंदर शर्मा मध्यप्रदेश ग्रंथ अकादमी।

Job opportunity	Employability skill developed	Local/National/UNDP Goal Achieved	Entrepreneurship Opportunity
संवाददाता	दृश्य–श्रव्य कौशल	गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा	NA

Dr. C.V. RAMAN UNIVERSITY

Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

SEMESTER- **Third Semester**

PROGRAMME:-MASTER OF ARTS(MA) HINDI **THEO. MAX. M: 70 MIN. M: 25**

COURSE CODE: 3MAHIN5, CREDIT:-4

COURSE–विशेष अध्ययन – कवि तुलसीदास/ सूरदास/ निराला **ASSIG. MAX.M: 30 MIN. M: 11**

इकाई–1

पाठ्य विषय– तुलसीदासः– रामचरित मानस,
(गीता प्रेस–गोरखपुर) व्याख्यांश– रामचरित
मानस– बालकाण्ड, आयोध्याकाण्ड,

इकाई–2

तुलसीदास की युगीन पृष्ठभूमि, सामाजिक ,राजनीतिक,
आर्थिक परिस्थितियां

इकाई–3

रामचरित मानस से
संबंधित प्रश्न

इकाई–4

हिन्दी में राम काव्य परम्परा और
उसके अन्य कवि ।

इकाई–5

द्रुतपाठ – दोहावली , पार्वती मंगल , जानकी मंगल।

सुरदास

इकाई–1 प्रारम्भ से मथुरागमन के पूर्व तक के पदों से व्याख्याएँ पूछी जायेगी।

इकाई–2 निर्धारित पद (प्रारंभ से मथुरागमन से पूर्व तक) आलोचनात्मक प्रश्न ।

इकाई–3 युगीन पृष्ठभूमि सामाजिक , राजनीतिक , आर्थिक, परिस्थितियाँ।

इकाई–4 सूरदास का जीवनवृत्त , अंतः साक्ष्य , बाह्य साक्ष्य।

इकाई–5 द्रुतपाठ्य कुम्भनदास, कृष्णदास , परमानन्ददास

निराला

इकाई –1 व्याख्यांश– पाट्य विषय– अपरा, गीतिका, तुलसीदास, नये पत्ते।

इकाई –2 छायावाद एवं छायावादोत्तर काव्य का परिवेश तथा पृष्ठ भूमि

इकाई –3 निराला का व्यक्तित्व कृतित्व।

इकाई –4 निराला पर आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई –5 द्रुतपाठ हेतु निम्न कवियों से लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जायेगे–

सुमित्रानन्दन पंत, महादेवी वर्मा, माखनलाल चतुर्वेदी, शिवमंगल सिंह सुमन। सूर्यकांन्त त्रिपाठी निराला

REFERENCE BOOK

Subject Name	Book Name	Writer	publication
वैकल्पिक तुलसीदास	तुलसी	राममूर्ति त्रिपाठी	राजकमल प्रकाशन
वैकल्पिक सुरदास	महाकवि सूरदास	नंददुलारे वाजपेयी	राजकमल प्रकाशन
वैकल्पिक निराला	निराला की साहित्य साधना	राम विलास शर्मा	राजकमल प्रकाशन

Dr. C.V. RAMAN UNIVERSITY

Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

SEMESTER-**Fourth Semester A**

PROGRAMME:-MASTER OF ARTS(MA) HINDI **THEO. MAX. M: 70 MIN. M: 25**
COURSE CODE: 4MAHIN1,CREDIT:-4 **ASSIG. MAX.M: 30 MIN. M: 11**
COURSE:- शोध प्रविधि

इकाई एक– सामाजिक अनुसंधान की प्रकृति,महत्व और उपयोग,विशुद्ध तथा व्यावहारिक(एप्लाइड)अनुसंधान के बीच अंतर, शोध समस्या की पहचान,अनुसंधान रचना (शोध डिजाइन)

इकाई दो– हाइपोथीसिस(परिकल्पना),अवधारणा,परीक्षण और चर,परिकल्पना निरूपण और परीक्षण, प्रतिचयन (नमूना) पद्धति

इकाई–तीन–डेटा संग्रह की तकनीक और उपकरण

अवलोकन–अवलोकन के लक्षण,अवलोकन के प्रकार,गुण और दोष,प्रश्नावली,अनुसूची और साक्षात्कार,प्रतिचयन (नमूना) और सर्वेक्षण की तकनीक।

इकाई चार– केस अध्ययन, तकनीक,केस अध्ययन की भूमिका और महत्व,पूर्वगामी(पायलट) अध्ययन और व्यक्ति सूची अध्ययन।

इकाई पाँच– सामाजिक विज्ञान में सिद्धांत निर्माण (गठन),सर्वेक्षण विश्लेषण,प्रकार,गुण और दोष,रिपोर्ट लेखन,प्रतिवेदन(रिपोर्ट) का उध्देश्य और सामाग्री।

REFERENCE BOOK

Subject Name	Book Name	Writer	publication
शोध प्रविधी	शोध प्रविधी	हरीश खत्री	कैलाश पुस्तक सदन भोपाल

Dr. C.V. RAMAN UNIVERSITY

Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

SEMESTER-**Fourth Semester A**

PROGRAMME:-MASTER OF ARTS(MA) HINDI **THEO. MAX. M: 70 MIN. M: 25**
COURSE CODE: 4MAHIN2,CREDIT:-4 **ASSIG. MAX.M: 30 MIN. M: 11**
COURSE:- दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन

इकाई –1

माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार। हिन्दी माध्यम लेखन का संक्षिप्त इतिहास।

इकाई–2

रेडियो नाटको की प्रविधि रंग नाटक, पाइ्यनाटक और रेडियो नाटक का अंतर। रेडियो नाटक के प्रमुख भेद – रेडियो धारावाहिक, रेडियो रूपांतर, रेडियो फैन्टेसी, संगीत रूपक, आलेख रूपक (डाक्यूमेंट्री फीचर)।

इकाई–3

टी.वी.नाटक की तकनीक। टेली ड्रामा, टेली फिल्म, डाक्यूड्रामा तथा टी.वी. धारावाहिक में साम्य–वैषम्य। संचार माध्यम के अन्य विविध रूप

इकाई –4

साहित्यिक विधाओं की दृश्य –श्रव्य रूपांतरण–कला। इलैक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन–संपादन और प्रस्तुतिकरण की प्रविधि। संचार माध्यमों द्वारा प्रसारित विज्ञापनों की भाषा। विज्ञापन फिल्मों की प्रविधि।

इकाई –5

संचार माध्यमों की भाषा। हिन्दी के समक्ष आधुनिक जनसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी की चुनौतियॉं।

REFERENCE BOOK

Subject Name	Book Name	Writer	publication
दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन	संचार माध्यमों का संगठन एवं प्रबंधन	डॉ. मधुबाला	विद्या प्रकाशन

Dr. C.V. RAMAN UNIVERSITY

Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

SEMESTER-**Fourth Semester A**

PROGRAMME:-MASTER OF ARTS (MA) HINDI | **THEO. MAX. M: 70 MIN. M: 25**
COURSE CODE: 4MAHIN3, CREDIT:-4 | **ASSIG. MAX.M: 30 MIN. M: 11**
COURSE:- हिन्दी भाषा

इकाई–1

हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ। भारतीय आर्यभाषाएँ पाली, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ। आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण।

इकाई–2

हिंदी का भौगोलिक विस्तार हिंदी की उप भाषाएँ, पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियों। खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।

इकाई–3

हिंदी का भाषिक स्वरुप–हिंदी शब्दरचना–उपसर्ग, प्रत्यय, समास। रुप रचना–लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के संदर्भ में हिंदी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और किया रुप। हिंदी वाक्य–रचना पद कम और अन्धिति ।

इकाई–4

हिंदी के विविध रूप–संपर्कभाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रुप में हिंदी, मातृ भाषा, माध्यम भाषा, हिंदी की संवैधानिक स्थिति। हिंदी में कम्प्यूटर सुविधाएँ आँकड़ा

संसाधन और शब्द संसाधन, वर्तनी शोधक, मशीन अनुवादक, हिंदी और मानकीकरण।

इकाई–5

लघुउत्त्तीय एवं प्रश्न संपूर्ण पातयक्रम से।

पाठ्य पुस्तक

हिंदी भाषा और व्याकरण– वासुदेव नंदन प्रसाद

संदर्भग्रंथ

1 भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा–भोलानाथ तिवारी

2 भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा – बी. डी. शमां

3 भारतीय आर्य भाषा और हिंदी– सुनिति कुमार चटर्जी

4 हिंदी भाषा एक अबाध प्रवाह– डॉ. मीता, डॉ. सुमन

Dr. C.V. RAMAN UNIVERSITY

Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

SEMESTER-**Fourth Semester A**

PROGRAMME:-MASTER OF ARTS(MA) HINDI **THEO. MAX. M: 70 MIN. M: 25**
COURSE CODE: 4MAHIN4, CREDIT:-4 **ASSIG. MAX.M: 30 MIN. M: 11**
COURSE:- समकालीन विमर्श (स्त्री एवं दलित विमर्श)

इकाई –1 समकालीन विमर्श की विकास यात्रा (स्त्री एवं दलित विमर्श)।

इकाई –2 स्त्री विमर्श की अवधारणा ,उदभव , विकास विशेषताएँ।

इकाई –3 दलित विमर्श की आवधारणा , उदभव एवं विकास विशेषताएँ।

इकाई –4 परंपरागत साहित्य और स्त्री एवं दलित साहित्य समीक्षात्मक अध्ययन।

इकाई –5 द्रुतपाठ निर्धारित चिंतक–मृदुला गर्ग, चित्रा मुद्गल ,ओमप्रकाश वाल्मीकि, प्रभा खेतान।

पाठ्य–पुस्तक : 1. स्त्री विमर्श पुरूष रचना धर्मिता के संदर्भ में – डॉ. विनय पाठक।

2. दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र –ओमप्रकाश।

संदर्भ–ग्रंथः 1.स्त्री विमर्श साहित्य के सम्बन्ध में–नेहा गोस्वामी।

2.दलित साहित्य की भूमिका–केवल भारती।

Dr. C.V. RAMAN UNIVERSITY

Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

SEMESTER-**Fourth Semester A**

PROGRAMME:-MASTER OF ARTS(MA) HINDI **THEO. MAX. M: 70 MIN. M: 25**
COURSE CODE: 4MAHIN5,CREDIT:-4 **ASSIG. MAX.M: 30 MIN. M: 11**
COURSE:- विशेष अध्ययन

. रामचन्द्र शुक्ल

इकाई –1 व्याख्यांश– पाठ्य ग्रन्थ– चिंतामणि भाग 1 – चिंतामणि भाग 2
इकाई–2 आधुनिक गद्य में हिन्दी निबन्ध का स्वरूप एवं विकास तथा प्रमुख निबन्धकार।

इकाई –3 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल जीवन यात्रा एवं चिंतन दृष्टि।

इकाई –4 रामचन्द्र शुक्ल के पाठ्य निबन्धों की समीक्षा।

इकाई –5 द्रुतपाठ– बाबू गुलाबराय, पदुमलाल पुन्नालाल बक्शी, हजारी प्रसाद द्विवेदी,डॉ0 विद्यानिवास मिश्र।

. कथाकार प्रेमचन्द

इकाई –1

व्याख्यांश– गोदान, रंगभूमि कर्मभूमि

कहानी–ठाकुर का कुआँ– पंच परमेश्वर, मंत्र, कफन, ईदगाह, पूस की रात, बड़े भाई साहब, नमक का दरोगा, कजाकी, सदगति।

इकाई –2

प्रेमचन्द जीवन एवं रंचना यात्रा : उपन्यास, कहानी, पत्रकारिता।

इकाई –3

प्रेमचन्द के पाठ्य उपन्यासों की समीक्षा।

इकाई –4

प्रेमचन्द के पाठ्य कहानियों की समीक्षा।

इकाई –5

द्रुतपाठ– जेनेन्द्र कुमार, यशपाल, भगवतीचरण वर्मा, अमृतलाल नागर।

जयशंकर प्रसाद

इकाई –1 निर्धारित रचनाओं की व्याख्या

निर्धारित व्याख्यांश–पाठ्य रचनाएँ–स्कन्दगुप्त, चन्द्रगुप्त, कामना, अजातशत्रु

इकाई –2 हिन्दी नाटक परम्परा और प्रगति तथा प्रसाद की नाट्य यात्रा।

इकाई –3 प्रसाद के नाटकों की पृष्ठभूमि, रंगमंचीय परिकल्पना,तथा नाट्य शास्त्रीय चिंतन।

इकाई –4 प्रसाद के पाठ्य नाटकों की आलोचनात्मक समीक्षा।

इकाई –5 निर्धारित साहित्यकारों का द्रुतपाठ

द्रुतपाठ के साहित्यकार–सेठ गोविन्द दास, भुवनेश्वर, मोहन राकेश, सुरेन्द्र वर्मा, लक्ष्मीनारायण मिश्र।

पाठ्य पुस्तक

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास –डॉ. नग्रेन्द्र

संदर्भ ग्रंथ–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. स्कन्दगुप्त –जयशंकर प्रसाद
3. चन्द्रगुप्त –जयशंकर प्रसाद
4. दूसरी परम्परा की खोज –डॉ. नामवर सिंह

Job opportunity	Employability skill developed	Local/National/UNDP Goal Achieved	Entrepreneurship Opportunity
NA	अभिव्यक्ती कौशल	गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा	NA

Dr. C.V. RAMAN UNIVERSITY

Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

SEMESTER-**Fourth Semester B**

PROGRAMME:-MASTER OF ARTS(MA) HINDI **THEO. MAX. M: 70 MIN. M: 25**
COURSE CODE: 5MAHIN1,CREDIT:-4 **ASSIG. MAX.M: 30 MIN. M: 11**
COURSE:- शोध प्रविधि

इकाई एक– सामाजिक अनुसंधान की प्रकृति,महत्व और उपयोग,विशुद्ध तथा व्यावहारिक(एप्लाइड)अनुसंधान के बीच अंतर, शोध समस्या की पहचान,अनुसंधान रचना (शोध डिजाइन)

इकाई दो– हाइपोथीसिस(परिकल्पना),अवधारणा,परीक्षण और चर,परिकल्पना निरूपण और परीक्षण, प्रतिचयन (नमूना) पद्धति

इकाई–तीन–डेटा संग्रह की तकनीक और उपकरण

अवलोकन–अवलोकन के लक्षण,अवलोकन के प्रकार,गुण और दोष,प्रश्नावली,अनुसूची और साक्षात्कार,प्रतिचयन (नमूना) और सर्वेक्षण की तकनीक।

इकाई चार– केस अध्ययन, तकनीक,केस अध्ययन की भूमिका और महत्व,पूर्वगामी(पायलट) अध्ययन और व्यक्ति सूची अध्ययन।

इकाई पाँच– सामाजिक विज्ञान में सिद्धांत निर्माण (गठन),सर्वेक्षण विश्लेषण,प्रकार,गुण और दोष,रिपोर्ट लेखन,प्रतिवेदन(रिपोर्ट) का उघ्देश्य और सामाग्री।

REFERENCE BOOK

Subject Name	Book Name	Writer	publication
शोध प्रविधी	शोध प्रविधी	हरीश खत्री	कैलाश पुस्तक सदन भोपाल

Dr. C.V. RAMAN UNIVERSITY

Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

SEMESTER-**Fourth Semester B**

PROGRAMME:-MASTER OF ARTS(MA) HINDI **THEO. MAX. M: 70 MIN. M: 25**
COURSE CODE: 5MAHIN2,CREDIT:-4 **ASSIG. MAX.M: 30 MIN. M: 11**
COURSE:- दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन

इकाई –1

माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार। हिन्दी माध्यम लेखन का संक्षिप्त इतिहास।

इकाई–2

रेडियो नाटको की प्रविधि रंग नाटक, पाइ्यनाटक और रेडियो नाटक का अंतर। रेडियो नाटक के प्रमुख भेद – रेडियो धारावाहिक, रेडियो रूपांतर, रेडियो फैन्टेसी, संगीत रूपक, आलेख रूपक (डाक्यूमेंट्री फीचर)।

इकाई–3

टी.वी.नाटक की तकनीक। टेली ड्रामा, टेली फिल्म, डाक्यूड्रामा तथा टी.वी. धारावाहिक में साम्य–वैषम्य। संचार माध्यम के अन्य विविध रूप

इकाई –4

साहित्यिक विधाओं की दृश्य –श्रव्य रूपांतरण–कला। इलैक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन–संपादन और प्रस्तुतिकरण की प्रविधि। संचार माध्यमों द्वारा प्रसारित विज्ञापनों की भाषा। विज्ञापन फिल्मों की प्रविधि।

इकाई –5

संचार माध्यमों की भाषा। हिन्दी के समक्ष आधुनिक जनसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी की चुनौतियॉं।

REFERENCE BOOK

Subject Name	Book Name	Writer	publication
दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन	संचार माध्यमों का संगठन एवं प्रबंधन	डॉ. मधुबाला	विद्या प्रकाशन

Dr. C.V. RAMAN UNIVERSITY

Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

SEMESTER-**Fourth Semester B**

PROGRAMME:-MASTER OF ARTS(MA) HINDI **THEO. MAX. M: 70 MIN. M: 25**
COURSE CODE: 5AHIN3,CREDIT:-4 **ASSIG. MAX.M: 30 MIN. M: 11**
COURSE:- विशेष अध्ययन

. रामचन्द्र शुक्ल

इकाई –1 व्याख्यांश– पाठ्य ग्रन्थ– चिंतामणि भाग 1 – चिंतामणि भाग 2
इकाई–2 आधुनिक गद्य में हिन्दी निबन्ध का स्वरूप एवं विकास तथा प्रमुख निबन्धकार।

इकाई –3 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल जीवन यात्रा एवं चिंतन दृष्टि।

इकाई –4 रामचन्द्र शुक्ल के पाठ्य निबन्धों की समीक्षा।

इकाई –5 द्रुतपाठ– बाबू गुलाबराय, पदुमलाल पुन्नालाल बक्शी, हजारी प्रसाद द्विवेदी,डॉ0 विद्यानिवास मिश्र।

. कथाकार प्रेमचन्द

इकाई –1

व्याख्यांश– गोदान, रंगभूमि कर्मभूमि

कहानी–ठाकुर का कुआँ– पंच परमेश्वर, मंत्र, कफन, ईदगाह, पूस की रात, बड़े भाई साहब, नमक का दरोगा, कजाकी, सदगति।

इकाई –2

प्रेमचन्द जीवन एवं रंचना यात्रा : उपन्यास, कहानी, पत्रकारिता।

इकाई –3

प्रेमचन्द के पाठ्य उपन्यासों की समीक्षा।

इकाई –4

प्रेमचन्द के पाठ्य कहानियों की समीक्षा।

इकाई –5

द्रुतपाठ– जेनेन्द्र कुमार, यशपाल, भगवतीचरण वर्मा, अमृतलाल नागर।

जयशंकर प्रसाद

इकाई –1 निर्धारित रचनाओं की व्याख्या
निर्धारित व्याख्यांश–पाठ्य रचनाएँ–स्कन्दगुप्त, चन्द्रगुप्त, कामना, अजातशत्रु
इकाई –2 हिन्दी नाटक परम्परा और प्रगति तथा प्रसाद की नाट्य यात्रा।
इकाई –3 प्रसाद के नाटकों की पृष्ठभूमि, रंगमंचीय परिकल्पना,तथा नाट्य शास्त्रीय चिंतन।
इकाई –4 प्रसाद के पाठ्य नाटकों की आलोचनात्मक समीक्षा।
इकाई –5 निर्धारित साहित्यकारों का द्रुतपाठ
द्रुतपाठ के साहित्यकार–सेठ गोविन्द दास, भुवनेश्वर, मोहन राकेश, सुरेन्द्र वर्मा, लक्ष्मीनारायण मिश्र।

पाठ्य पुस्तक

2. हिन्दी साहित्य का इतिहास –डॉ. नग्रेन्द्र

संदर्भ ग्रंथ–

5. हिन्दी साहित्य का इतिहास–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
6. स्कन्दगुप्त –जयशंकर प्रसाद
7. चन्द्रगुप्त –जयशंकर प्रसाद
8. दूसरी परम्परा की खोज –डॉ. नामवर सिंह

Job opportunity	Employability skill developed	Local/National/UNDP Goal Achieved	Entrepreneurship Opportunity
NA	अभिव्यक्ती कौशल	गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा	NA

Dr. C.V. RAMAN UNIVERSITY

Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

SEMESTER-Fourth Semester

PROGRAMME:-MASTER OF ARTS(MA) HINDI **THEO. MAX. M: 70 MIN. M: 25**
COURSE CODE: 5MAHIN4,CREDIT:-8 **ASSIG. MAX.M: 30 MIN. M:**
11 COURSE:- लघु शोध (Dissertation)

1. परियोजना कार्य का उद्देश्य हिन्दी साहित्य में नवीन ज्ञान को प्रोत्साहित कराना।
2. छात्र–छात्राओं को परियोजना कार्य के माध्यम से नवीन ज्ञान से परिचित कराना।

Table of Contents (प्रारुप)

1. Dissertation Work. (लधुशोध प्रबंध कार्य)

1.1. Introduction. (प्रस्तावना)

1.2. Review of Related Literature. (पूर्व में किये गये कार्यो का अध्ययन)

1.3. Research Methodology. (शोध विधि)

1.4. Observation And Analysis of Data. (निरीक्षण एवं आंकडों का विश्लेषण)

1.5. Summary, Result and Suggestion. (सारांश, परिणाम एवं सुझाव)

1.6. Conclusion. (निष्कर्ष)

Bibliography – As per style given in Reference section of text of the thesis.(संदर्भ सूची)

2. Preparation & Presentation of Synopsis.

(लधुशोध संक्षेपिका तैयार करना एवं प्रस्तुतीकरण)

3. Exam, Evolution And Viva Voce. (परीक्षा, मूल्यांकन एवं साक्षात्कार)

GUIDELINE FOR PREPARATION OF DISSERTATION REPORT

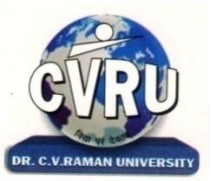

DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY

KARGI ROAD, KOTA, DISTT. - BILASPUR

CHHATTISGARH

DISSERTATION REPORT FORMAT

(BBA)

The Dissertation Report consists of three main parts (i) The Preliminaries (ii) The Text (iii) Annexure. It is to be arranged in the following sequence.

THE PRELIMINARIES:

- Title Page (Outer Cover) as per the format given in Annexure III, (should be printed in White Colour on a Navy Blue background).
- Title Page (Inner Cover) as per the format given in Annexure IV
- Declaration by the candidate (Annexure – V)
- Certificate of Supervisor/s (Annexure – VI)
- Acknowledgements (Annexure – VII)
- Table of Contents (Annexure – VIII)
- Abstract/Preface
- List of Tables (If applicable)
- List of Figures (If applicable)
- List of abbreviations (Optional)
- Chapter –I to ….continue according to the table of contents.

THE TEXT OF THE DISSERTATION REPORT

The text the Dissertation Report is usually divided in to chapter"s with subheadings, within the chapters to indicate the orderly progression of topics and their relation to each other

Chapter-I Introduction: - The Dissertation Report should normally begin with a general introduction presenting an overview of the purpose and significance of the study. The introduction should show why the topic selected is worth investigating. This will normally be done with reference to existing research, identifying areas that have not been explored, need to be explored. The final section of the introduction should provide a brief overview of each of the main chapters that the reader will encounter.

Chapter-II Review of Related Literature: - The purpose of the literature review is to summarize, evaluate and compare the main developments and current database in the field which are specifically relevant to the subject of research embodied in the Dissertation Report
.

Chapter-III Research Methology: - The supervisor and the student may decide how this part of the Dissertation Report should be structured. Although this section varies depending up on method and analysis technique chosen, the chapter describes and justifies the methods chosen for the study and why this method was the most appropriate.

Chapter-IV Observations & Analysis:- Observations , Analysis and Interpretation should be done as per data collected from sample.

Chapter-V Results Conclusions and Suggestions: The results are actual statement of observations, including statistics, tables and graphs. Do not present the same data as graph as well as table. Use one of the appropriate style of presentation. The purpose of this chapter is not just to reiterate the findings but discuss the observation in relation to the theoretical body of knowledge on the topic.

Bibliography Citation in Text: Citation in the text usually consists of the name of the author(s) and the year of the publication. The page no is added when utilizing a direct quotation. It should be arranged Alphabetically .

Example (i):Thomas.V (2007) identified….

Example (ii): Gould and Brown (1991, p. 14) used the

Example (iii) : Rhoades et. al (2008) define the …..

REFERENCE BOOK: All publications listed in the Dissertation Report should be presented in a list of REFERENCE BOOK, following the sample.

Citation from Dissertation Report :

- Kundur., D. (1999),Mulitresolution Digital Watermarking: Algorithms and Implications for Multimedia Signals. Ph.D Dissertation Report , University of Toronto.

Citation from Journal:

- Clifford, G. D. and Tarassenko.,s L. (2001),One-pass Training of Optimal Architecture Auto-associativeNeural Network for Detecting Ectopic Beats. Electron Letters. 37(18): 1126–1127.
- Rhoades, B.E. (1997), A Comparison of various definitions of Contractive mappings, Trans.Amer.Math.Soc.,Vol. 5, no.3, 257-290.

Citation from Books:

- Thompson, D. ed., (1995),The Concise Oxford Dictionary of Current English. Oxford, UK: Oxford University Press, 9th ed. ISBN No.: 0987654.
- Lindsay, D. (1999),A Guide to Scientific Writing, Melbourne, Chapter 2, Australia: Addison Wesley Longman Australia, 2nd ed. ISBN No.: 12345678.

Citation from Website:

Anonymous, unZign, "Tool for Evaluating a Variety of Watermarks", http://altern.org/watermark/, (Browsing date: 23rd September 1997)

Publication of the University of Geneva (on digital watermarking): <http:// cuiwww.unige.ch/˜vision/Publications/watermarking_publications.html> (Browsing Date: 4thJanuary 2006)

Citation from patent:

Gustafsson J. K. (1976), "Analog-digital converter for a resistance bridge", Patent U. S. 3960010, June 1,.
REFERENCE BOOK must be given alphabetically in REFERENCE BOOK section and in text as …..
Clifford. G. D. and Tarassenko. L. (2001) suggested that……

Appendices:

- Questionnaire /Formula /Diagnosis/Any other Supporting Documents

GUIDELINES FOR WRITING :-

1. Font size For English **Font size For Hindi**

Title Page	18-24	18-24
Headings / subheadings	12-16	16-20
Text	12	14
Footnotes	8-10	10-12

Footnotes be given on the same page where reference is quoted

2. Type style

Times New Roman for English Kruti dev 10 for Hindi

3. Margins.

At least 1¼ -1½ inches (3.17-3.81cm) on the left-hand side, 3/4 - 1 inch (2 -2.54cm) at the top and bottom of the page, and about ½ - 0.75 inches (1.27 - 1.90cm) at the outer edge. The best position for the page number is at top-center or top right ½ inch (1.27 cm) below the edge. Pages containing figures and illustration should be suitable paginated.

4. The *Dissertation Report* shall be computer typed (**English**- British, Font Style -Times Roman, Size-12 point, **Hindi-** Font Style -Krutidev-10,Size-14) and printed on A4 size paper.

5. The *Dissertation Report* shall be typed on one side only with double space with appropriate margin.

6. Use only standard abbreviations. Avoid abbreviations in the title. The full term for which an abbreviation stands should precede its first use in the text except in case of measurement units. The measurement units if any shall be followed consistently.

7. Maintain uniformity in writing the *Dissertation Report* .

8. All copies of the *Dissertation Report* are to be bound in colored hard cover (according to color code) of the *Dissertation Report* .

9. The final submission of the *Dissertation Report* shall be in 03 hard bound copies and 01 soft copy (MS Word) in a CD along with all the corrections and suggestions as recommended before.

ANNEXURE-III (Outer cover)

THE TITLE OF THE DISSERTATION REPORT IN THE OUTER COVER

SHALL LOOK EXACTLY LIKE THIS TITLE

(Font: Times New Roman, Size:16, Bold, Line Spacing: 1 ½, Centered)

{Here put a gap of 4 lines}

Dissertation Report submitted to

(Font: Times New Roman, Size: 12, Bold, centered)

{Here put a gap of one line}

<University"s logo>

Dr. C.V. Raman University
Kota, Bilaspur (C.G.)

(Font: Times New Roman, Size: 14, Bold, centered)

{Here put a gap of one line}

For the award of the degree of

(Font: Times New Roman, Size: 12, Bold, centered)

{Here put a gap of one line}

PROGRAMME NAME

(Font: Times New Roman, Size: 14, Bold, centered)

{Here put a gap of two lines}

by

(Font: Times New Roman, Size: 12, Bold, centered)

{Here put a gap of two lines}

<NAME OF THE STUDENT>

(Font: Times New Roman, Size: 14, Bold, centered)

Registration No.: <>

(Font: Times New Roman, Size: 12, Bold, centered)

<Year>

(Font: Times New Roman, Size: 12, Bold, centered)

© *<Year><Name of the student>*.All rights reserved.

(Font: Times New Roman, Size: 10, Bold, Centered)

ANNEXURE-IV(Inner cover)

THE TITLE OF THE DISSERTATION REPORT IN THE INNER COVER SHALL LOOK EXACTLY LIKE THIS TITLE

(Font: Times New Roman, Size:16, Bold, Line Spacing: 1 ½, Centered)

{Here put a gap of 4 lines}

Dissertation Report submitted to

(Font: Times New Roman, Size: 12, Bold, centered)

{Here put a gap of one line}

Dr. C.V. Raman University
Kota, Bilaspur (C.G.)

(Font: Times New Roman, Size: 14, Bold, centered)

{Here put a gap of one line}

For the award of the degree

of

(Font: Times New Roman, Size: 12, Bold, centered)

{Here put a gap of one line}

PROGRAMME NAME

(Font: Times New Roman, Size: 14, Bold, centered)

{Here put a gap of two lines}

by

(Font: Times New Roman, Size: 12, Bold, centered)

{Here put a gap of two lines}

<NAME OF THE STUDENT>

(Font: Times New Roman, Size: 14, Bold, centered)

Under the Guidance of

(Font: Times New Roman, Size: 12, Bold, centered)

<NAME OF THE SUPERVISOR/S>

(Font: Times New Roman, Size: 14, Bold, centered)

<Year>

(Font: Times New Roman, Size: 12, Bold, centered)

©*<Year><Name of the student>*.All rights reserved.

(Font: Times New Roman, Size: 10, Bold, Centered)

ANNEXURE-V

DECLARATION

I the undersigned solemnly declare that the Dissertation Report entitled "**title of the work**" is based on my own work carried out during the course of my study under the supervision of < name of supervisor >.

I assert that the statements made and conclusions drawn are an outcome of my research work. I further certify that

i. The work contained in the Dissertation Report is original and has been done by me under the general supervision of my supervisor (s).

ii. The work has not been submitted to any other Institute for any other Degree/Diploma/Certificate in this University or any other University of India or abroad.

iii. I have followed the guideline provided by the University in writing the Dissertation Report.

iv. I have conformed to the norms and guidelines given in the concerned Ordinance of the University.

v. Whenever I have used materials (data, theoretical analysis, and text) from other sources, I have given due credit to them by citing them in the text of the Dissertation Report and giving their details in the REFERENCE BOOK.

vi. Whenever I have quoted written materials from other sources, I have put them under quotation marks and given due credit to the sources by citing them and giving required details in the REFERENCE BOOK.

(Name & Signature of the Student)

Registration No.

ANNEXURE-VI

CERTIFICATE

This is to certify that the work incorporated in the Dissertation Report entitled " title of the Dissertation Report " is a record of own work carried out by **<Name of Student >** under my supervision for the award of degree of **Programme Name** of Dr. C.V. Raman University, Bilaspur (C.G.)-India.

To the best of my knowledge and belief the Dissertation Report :

i. Embodies the work of the candidate himself/herself,

ii. Has duly been completed.

iii. Is up to the desired standard both in respect of contents and language for being referred to the examiners.

Supervisor-

(Name and signature of the Supervisor
With designation and Name of Organization)

(Signature of Academic Coordinator)

(Seal of IODE)

ANNEXURE-VII

ACKNOWLEDGEMENT

Acknowledgements should be brief and should not exceed one page. Acknowledgements should be duly signed by the candidate. Gratitude may be expressed to only those who really contributed to the work directly or indirectly. Name of student should appear at the bottom of the page.

SAMPLE ACKNOWLEDGEMENT

It is a matter of immense pleasure to express the overwhelming sense of gratitude, devotion, incontestable regards to my esteemed & learned guides <…….> who have striven to perfect my Dissertation report.

……

……

……..

Finally, I express my indebtedness to all who have directly or indirectly contributed to the successful completion of my Dissertation work.

< Name of Student >

ANNEXURE-VIII

TABLE OF CONTENTS

Abstract /Preface I

List of Tables: *(If applicable)* II

List of Figures :*(If applicable)*.....III

List of Abbreviations/Symbols *(If applicable)* IV

Chapter-I	Introduction	……
Chapter-II	Review of Related Literature	…….
Chapter-III	Research Methodology	……..
Chapter-IV	Observation And Analysis	…….
Chapter-V	Result, Conclusions and Suggestions	……
Bibliography	As per style given in reference section of text of the Dissertation report.	…….
Appendixes	Questionnaire/Formula/Diagnosis/Any other Supporting Documents	…….

Note